# व्याकरण

रस की परिभाषा :- "काव्य के पढ़ने, सुनने या नाटक के देखने से जो आनन्द प्राप्त होता है उसे ही रस कहते है।"

2. रस का स्वरूप क्या है ?

— रस अमूर्त्य होता है उसका प्रमाण रसभोक्ता सहृदय ही होता है।

सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डा० वाट्वे के अनुसार "The pleasant and total emotional response of a sympathetic reader to the elegant expression intens emotion in poetry is Rasa."

रस

1 शृंगार रस
2 हास्य रस
3 करुण रस
4 वीर रस
5 रौद्र रस
6 भयानक रस
7 वीभत्स रस
8 अद्भुत रस
9 शान्त रस
10 वात्सल्य रस
11 भक्ति रस

बलराम कुमार

पत्र संख्या - 8

1. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के आलोचनात्मक सिद्धांत को लिखें ?

2. डा० नन्ददुलारे वाजपेयी जी के आलोचनात्मक सिद्धांत को लिखें ?

3. साहित्य सम्बन्धी अरस्तू एवं मैथ्यु अर्नाल्ड के विचारों की विवेचना कीजिए ?

4. अभिधा शक्ति एवं लक्षणा शक्ति को परिभाषित करते हुए प्रमुख भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ?

5. रस और अलंकार को परिभाषित करते हुए विभिन्न भेदों का सोदाहरण विवेचन करें ?

Scanned with CamScanner